पूर्व आन्तरिक आवरण का शेष—

तैत्तिरीयब्राह्मणम्
तैत्तिरीयारण्यकम्
तैत्तिरीयोपनिषद्
तैत्तिरीयसंहिता
देवताध्यायब्राह्मणम्
दैवतब्राह्मणम्
धातुपाठः
निरुक्तम्
निघण्टुः=यास्कीयः
निघण्टु-निर्वचनम्
फिट्सूत्रम्
मनुस्मृतिः
मन्त्रब्राह्मणम्
महाभाष्यम्
माधवीया आख्यातानुक्रमणी
माधवीया धातुवृत्तिः
माधवीया नामानुक्रमणी
मैत्रायणी संहिता
यजुर्वेदः
यजुर्वेद-भाष्यम् ( सायणः )
यजुर्वेद-भाष्यम् ( महीधरः )
यजुर्वेद-भाष्यम् ( उव्वटः )
योगदर्शनम्
लिङ्गानुशासनम्
वैदिक-निघण्टु-संग्रहः
शतपथब्राह्मणम्
शाङ्खायनारण्यकम्
शुक्लयजुःप्रातिशाख्यम्
षड्विंशब्राह्मणम्
सामविधानब्राह्मणम्
सामवेदः

## इस संस्करण की विशेषताएँ

१. पतों ( संख्याओं ) के अनुसार उद्धृत वाक्यादि तथा उद्धृत वाक्यादि के अनुसार पतों का मूल ग्रन्थों के आधार पर संशोधन/सङ्गमन।
२. मूल वैदिक पदों तथा उद्धृत वैदिक-ब्राह्मणादि वचनों का सस्वरीकरण।
३. वैदिक स्वर तथा ऋषि दयानन्द सरस्वती की आर्ष निर्वचन-व्याकरण-शैली में सामञ्जस्य रखते हुए सम्पूर्ण व्याकरण-प्रक्रिया ( विमर्श-टीका ) का संशोधन/व्यवस्थीकरण/प्रमाणीकरण।
४. पाठभेद, सन्दिग्ध पाठ, स्पष्टीकरण, अनुपलब्ध, अपपाठ, चिन्त्यपाठ आदि का पादटिप्पणी में निर्देश।
५. द्विरावृत्त पद-पदार्थों का संशोधन।
६. अक्रमपतित पद-पदार्थों का क्रमिकीकरण।
७. पूर्व संस्करण में असङ्कलित कुछेक पद-पदार्थों का सङ्कलीकरण।
८. स्वर के आधार पर पद-पदार्थों का व्यवस्थितीकरण।
९. स्वरभेद से पदभेद के आधार पर पदस्थितीकरण।
१०. सुधी प्रयोक्ताओं की सुविधा के लिए कोष के प्रत्येक पृष्ठ के शीर्ष पर अनुक्रम-प्राप्त पद का निर्देश।
११. उपलब्ध मुद्रित ग्रन्थों में पद-स्वर के सन्दिग्ध होने पर प्रामाणिक लक्षण-ग्रन्थों तथा पारम्परिक वेदपाठियों के अनुसार स्वर-निर्धारण।
१२. पदपाठ तथा संहितापाठ के समीक्षात्मक अध्ययन के द्वारा पद तथा पद-स्वर का निर्धारण।
१३. पूर्व संस्करण में अनवधानतावश अशुद्ध वर्त्तनी के कारण अनुचित स्थान पर मुद्रित पदों को मूल ग्रन्थों के आधार पर शुद्ध कर यथोचित स्थान पर करना।
१४. सोपसर्ग पदों का पदपाठ तथा संहितापाठ के आधार पर स्वरविशेष को ध्यान में रखते हुए एकपद या अनेकपद के रूप में व्यवस्थितीकरण।
१५. उद्धृत त्रुटित या अपूर्ण पदों, वाक्यों, अर्थों का मूल ग्रन्थों के आधार पर शुद्धीकरण तथा पूर्णीकरण।
१६. पूर्व संस्करण में व्याकरणप्रक्रिया रहित सङ्कलित पदों पर सस्वर-व्याकरणप्रक्रिया प्रदान करना।


आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
४२७, गली मन्दिर वाली, नया बांस, दिल्ली-११०००६
₹ 2500/-
ISBN 978-81-969478-2-8
9 788196 947828


राजवीरः शास्त्री (सङ्ग्रहीता सम्पादकश्च)
प्रदीपकुमारः शास्त्री (द्वितीय-सस्वर-संस्करणस्य सम्पादकः)

# वैदिक-कोषः

आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट दिल्ली — ३ स्थापित —१९९६

₹ 2500/-

ओ३म्

# वैदिक-कोषः

## ( विमर्शटीकया सहितः )

ऋग्वेद यजुर्वेद सामवेद अथर्ववेद


सङ्ग्रहीता सम्पादकश्च ( प्रथमसंस्करणस्य )
**राजवीरः शास्त्री**

द्वितीय-सस्वर-संस्करणस्य सम्पादकः
**प्रदीपकुमारः शास्त्री**



प्रकाशकः
**आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट**


वैदिक-कोष में प्रयुक्त
ऋषि दयानन्द के ग्रन्थ

आर्याभिविनयः
उणादिकोषः ( दयानन्दवृत्तिः )
ऋग्वेद-भाष्यम् ( दयानन्दः )
ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका
ऋषि दयानन्द के पत्र-विज्ञापन
पञ्चमहायज्ञविधिः
यजुर्वेद-भाष्यम् ( दयानन्दः )
वेदभाष्य के नमूने का अङ्क
सत्यार्थप्रकाशः
संस्कारविधिः

वैदिक-कोष में प्रयुक्त
वैदिक वाङ्मय

अष्टाध्यायी
अथर्ववेदः
उणादिकोषः
ऋग्वेदः
ऋग्वेद-भाष्यम् ( सायणः )
ऐतरेयब्राह्मणम्
ऐतरेयारण्यकम्
कपिष्ठलकठसंहिता
काठक-सङ्कलनम्
काशिका
कौषीतकिब्राह्मणम्
कौत्सव्य-निरुक्त-निघण्टुः
क्षीरतरङ्गिणी
गोपथब्राह्मणम्
जैमिनीयार्षेयब्राह्मणम्
जैमिनीयोपनिषद्ब्राह्मणम्
ताण्ड्यमहाब्राह्मणम्


— शेष अग्रिम आन्तरिक आवरण पर